

मिलेगा मिलेगा कन्हैया मिलेगा  
हमारा दुलारा कन्हैया मिलेगा  
है अब मिलने की वारी ओ भैया  
नैनों का तारा हमें आ मिलेगा॥

आखें विछाई हैं राहें कन्हैया  
नई धैनु जैसे पुकारी है मैया  
बाबा ने कान्हा कह कर पुकारा  
हर सांस में श्याम सुन्दर सम्भारा  
कितना भी रोके मथुरा निवासी  
हमारा कन्हैया हमें आ मिलेगा॥

सभी काज मथुरा के पूरे हुए हैं  
होते वहां पर मंगल नितु नए हैं  
वसुदेव देवकी ने आनन्द पाया  
उग्रसेन को तख़्त पर बिठाया  
हर जीव बृज का कहता है क्षण क्षण  
दाऊ का भैया हमें आ मिलेगा॥

मैया की ममता को कैसे भुलाए  
गोपी ओ गुवालों को कैसे रुलाये  
रची रासि यमुना पर वह याद कर कर

चला आयेगा लाल हियें प्रेम भर भर  
गैयां भी बृज की कहती हैं पल पल  
हमारा चरैया हमें आ मिलेगा॥

आया है फागुन खेलेंगे होरी  
यशोदा के लाला व कीरति किशोरी  
छुटेंगी वे पीचक अम्बीर उड़ाकर  
करेंगे सफल नैन नटवर नचाकर  
जै जै युगल की बोलेंगे सुर मुनि  
रसिकों के चित का चुरैया मिलेगा॥

आये कन्हैया भई है हरियाली  
फूलों से भर गई वृक्षों की डाली  
भौरों का नृत्य और कोकिल का गाना  
कमल की कलियों का ये मुस्कराना  
मैगसि के मन में आनन्द छाया  
कदम्ब पै झूला झुलैया मिलेगा॥